

DPN 6422

सिद्धिलक्ष्मी स्तुति त्रिशक्ति स्तुति त्रिपुरसुन्दरी कर्मार्चन

Title: SIDDHILAKṢMĪ STUTI, TRISAKTI STUTI, TRIPURA SUN~~D~~ARI
KARMAŚCANA

Run. No. 7147

Cat. No. 196

Micro. No.

Subject Hymn and Ritual
स्तुति व विधि

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 18.5 X 8.5

Folios 44

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 915

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thya^ssaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः सिद्धिलक्ष्मी देव्यै ॥ त्वं देवी सर्वव्यापी त्रिभुवननामितां पञ्चवक्त्रा^मशिरोन्नी ॥
सर्वश्वेतांगरूपीं स्फटिकमासीतितां चन्द्रकोटिप्रकाशां ॥ ॥ P.T.O.

△ इति सिद्धिहर्त्रा स्तुति समाप्त ॥

इति हरसिद्धि देवी मूले त्रिशक्ति मुक्ति समाप्त ॥ शुभ ॥

इति श्री त्रिपुरसुन्दरी कर्माचर्येण चक्र पूजाविधिः ॥ ॥

" " " कर्माचर्येण विधि समाप्त ॥ ॥ विजय कदं आगतस
पूजा माये पद्धति धरे ॥

इति तद्युक्तव स्तोत्रं समाप्तं ॥ शुभमस्तु सर्वदा ॥

इति नवरात्र पूजा विधान समाप्तं ॥

सं. ८१५ आख शु ३ वृहस्पतिवात चक्रकुन्दु मर देसया द्वालि जुया
चोड, चरत श्री कुम्भेश्वर याके कासिखन्द बाखत ह्दाकागु धुनकर,
बाखे ह्दाकह अया ति पू लिया भ भाजु ॥ (?)

15

10

5

0

cmts.

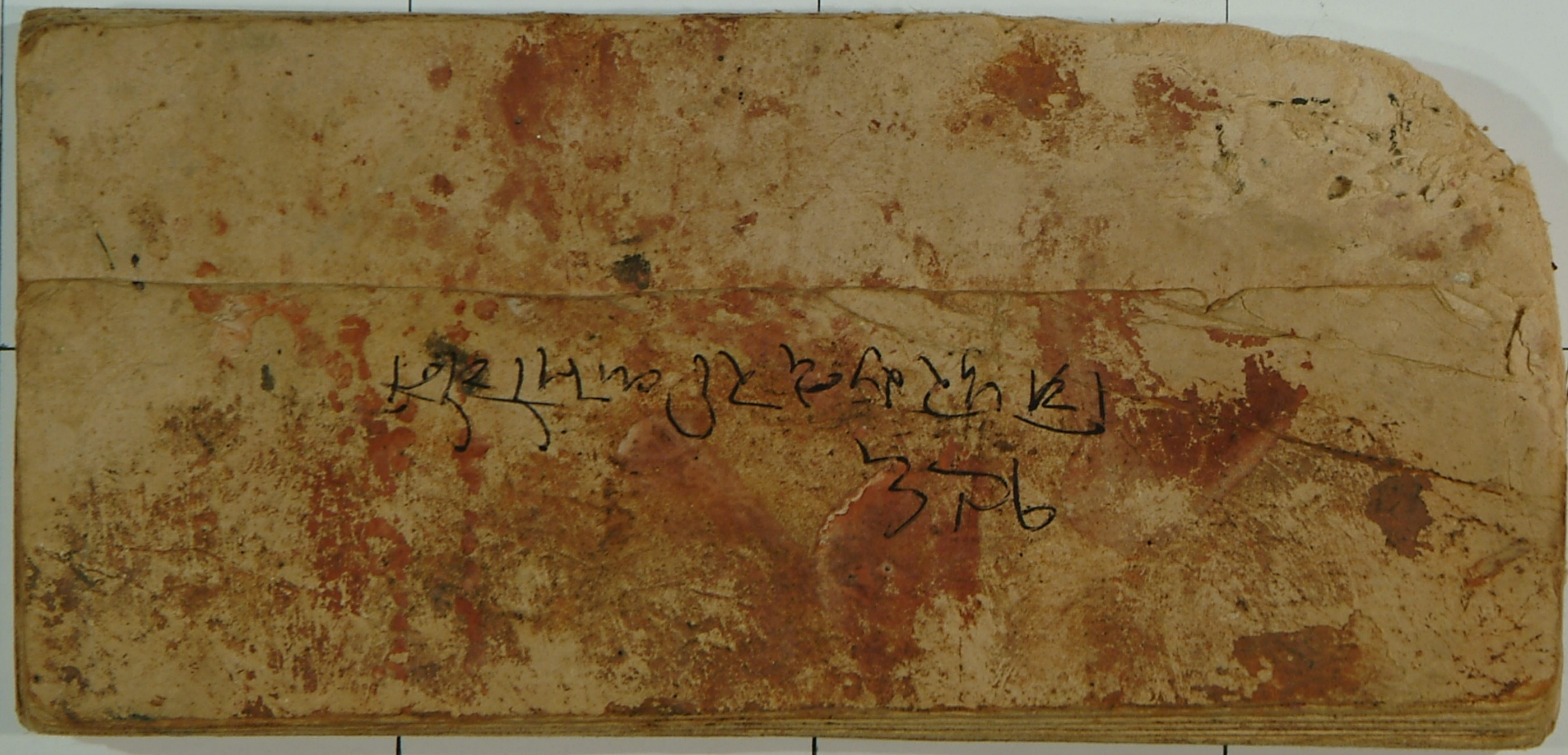
5

10

15

20

25



Handwritten text in a non-Latin script, possibly Georgian or Armenian, followed by a smaller, more stylized mark or signature.

15

यत् ॥ लैमिगिरु ॥ मिमिउ नदहा उर्य कावयत् ॥ तत्तठिय स स नमानिय ॥
 य ॥ ३ यामनासा यठ नयनयत् ॥ य ॥ २ मिमिविच नेक सूयत् ॥ य ॥ १० मिमिद किन्
 सासा म्ठ नयनयत् ॥ ॐ तिया न्मयाम मरुत शुदि ॥ वायुव कामनाउडा कि विउ
 मयसाग थवसासा सनयत् ॥ उं की मी गियन सूचय्यमानेन उ २ याद की ॥ ॐ
 साग आहययस ॥ ॐ तिन जा ॥ तता न्म सी कावयत् ॥ ३ गियन सूच विज् मय
 रुग वकन साधन ॥ गियन सूच विक निहिकाय याद की ॥ ३ गियन सूच नि
 ॥ ॐ तिया न्मयाम मरुत शुदि ॥ वायुव कामनाउडा कि विउ
 गियन सूच विक नय दयय म्मय रुत ॥ ॥ ॐ तिक न्मयाम ॥ ३ गियन सू

10

5

निनाहा याद की ॥ ३ गियन सूच निहदय याद की ॥ ३ गियन सूच नि ॥ न म्म
 याद की ॥ ॐ तिक न्मयाम मरुत शुदि ॥ वायुव कामनाउडा कि विउ
 ममध ॥ सूच विवक ने ॥ ॐ तिमूल न्मयाम ॥ डलया गुयजा ॥ आवाहना ॥ न न
 या ॥ उं गियन दवी विदह क्री का मिनिध वियीम ह्म मी न्म की नय याद सात ॥ वायु व
 दय दय या उनी ॥ धत उ न या गुयजा ॥ तता न्मयाम मरुत शुदि ॥ वायु व
 नयत् ॥ सूच म्मदया रुता ॥ ॐ म न्म कावयत् ॥ य कि न ॥ ३ गियन सूच निहदय याद की
 ॐ ॥ ३ गियन सूच निगि न्म साहा ॥ न सहा ॥ ३ गियन सूच निगि साय वायु ॥ वा
 यय ॥ ३ गियन सूच निगि कवय नम ॥ मध ॥ ३ गियन सूच लि न्मयय वयद ॥ वठ

15

10

5

यी भयनम ॥ मँय रू णिनीयी भयनम ॥ मँय म्दयी भयनम ॥ ॐ याम्या त क
 धनयी भयनम ॥ ॐ नकाठयी भयनम ॥ नंतिमागयी भयनम ॥ नं
 कामकाहयी भयनम ॥ ॐ क ला सुयी भयनम ॥ ॐ रू गु यनयी भयनम
 ॥ ॐ क दानयी भयनम ॥ ॐ ४ व दयनयी भयनम ॥ ॐ णीयी भयनम ॥ ॐ
 नकाययी भयनम ॥ ॐ ४ जालधयी भयनम ॥ ॐ मालययी भयनम ॥ ॐ क ल
 यी भयनम ॥ ॐ द विकारयी भयनम ॥ ॐ ४ क लू यि भयनम ॥ ॐ म नू द
 यी भयनम ॥ ॐ ४ ह ह सयी भयनम ॥ ॐ विनाजयी भयनम ॥ ॐ नाउ य
 यी भयनम ॥ ॐ म ह म ० यी भयनम ॥ ॐ कार्क णियी भयनम ॥ ॐ ४ न

यनयी भयनम ॥ लंठ कानयी भयनम ॥ ॐ ४ य वि कायी भयनम ॥ ॐ ४ य
 यी भयनम ॥ ॐ ४ वि ग यनयी भयनम ॥ ॐ ४ य यनयी भयनम ॥ ॐ ४ य
 ययी भयनम ॥ ॐ ४ य ययी भयनम ॥ ॐ ४ य ययी भयनम ॥ ॐ ४ य
 यनम ॥ ॐ ४ मा या यनयी भयनम ॥ ॐ ४ जाल धनयी भयनम ॥ ॐ ४ य
 णि ययी भयनम ॥ ॐ ४ णि लयी भयनम ॥ ॐ ४ म नू णि यी भयनम ॥ ॐ ४ य
 णि यनयी भयनम ॥ ॐ ४ मा ह दयी भयनम ॥ ॐ ४ य म न यनयी भयनम
 संहि व यनयी भयनम ॥ ॐ ४ म ह ल क्री यनयी भयनम ॥ ॐ ४ लं ठा णि यान
 यी भयनम ॥ ॐ ४ य य य ययी भयनम ॥ ॐ ४ यि मारु का या न्या स या थ र

15

10

यंत्रकृति यनायनमः ॥ नैष्ठिककृति यनायनमः ॥ लैष्ठिककृति यनायनमः ॥
 वैश्वयनायनमः ॥ ॐ समस्तैः कृति यनायनमः ॥ वैविमलायनमः ॥
 नमः ॥ संश्रुमायनमः ॥ हं हं वीति यनायनमः ॥ लैष्ठिककृति
 यनायनमः ॥ ॐ मयैकमः कृति यनायनमः ॥ कृति यनायनमः ॥
 रुकायनमः ॥ ॐ कामयनायनमः ॥ ॐ कामिनीयनायनमः ॥
 मः ॥ ॐ कानककानि यनायनमः ॥ ॐ कानिमयमनी यनायनमः ॥ ॐ कामयुक्त
 लालयायनमः ॥ ॐ कामयनि यिलासिनी यनायनमः ॥ ॐ कामयकलति यनायनमः ॥
 ॐ कौटुंबिकयनायनमः ॥ ॐ कामयुक्तकृति यनायनमः ॥ ॐ कामयि

5

तायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनमः ॥ ॐ नमः मन्त्रलालिनीयनायनमः ॥ ॐ नमः
 नाथदिठायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 मः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 ललीलायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 मयनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 नमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 वनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥
 मानयनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥ ॐ नमः विमललीलायनायनमः ॥

15

10

5

यायिष्ययनमः॥आयन॥दितीयविर्यमयार्यवीद्यातलयायिकायनमः॥दय
 ॥रुतिरवीरुमयार्यशिवतलयायिकायनमः॥रुमः॥वधुर्थविर्ययमयार्य
 ॥सर्वतलयायिकायनमः॥वृद्धनः॥वृत्तिरुतलयायिकायनमः॥वृत्तन्यामयिष्यि॥७॥
 अथयागुतिकायनविर्यि॥अथमनयुता॥तिकाः॥अथकाः॥अथकामधनीयुता॥
 दककाः॥अथकधनीयुता॥वामकाः॥अथकामलिनीयुता॥मथ्यागियुनमयनीयुता
 ॥अथकाः॥अथसीयुता॥॥॥वृत्तिरुतलयायिकायनमः॥सुमिनसिनगित॥थेवयुतायनमः॥
 नवियार्यडकायनमः॥रुक्मिष्यमयार्ययादियादिकंकला॥मयादधु॥वृत्तिरुतलयायिकायनमः॥
 ठायुता॥तलायुता॥॥॥मथुयायनमः॥॥॥कालागिनुदायनमः॥॥॥अथकायनमः॥॥॥

मः॥॥॥मलयरुतयनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥शुकजायनमः॥॥॥अथकायनमः॥॥॥
 मयायनमः॥॥॥विदमदीयायनमः॥॥॥सुवर्नशिवनमः॥॥॥कल्याणायनमः॥॥॥
 तुरुमनमः॥॥॥अननमथुयायनमः॥॥॥कल्याणकल्याणमः॥॥॥अननमः॥॥॥
 श्वदिकायनमः॥॥॥अननसिहासायनमः॥॥॥अननगवकमथ्यायनमः॥॥॥
 ॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥
 यनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननध्वर्यायनमः॥॥॥वृत्तिरुतलयायिकायनमः॥॥॥
 ॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥
 अथकायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥अननायनमः॥॥॥

रं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥
 शाकालायलीयी ॥ ० ॥ यानानुष्टुप् ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥
 मष्टायादकी ॥ वायुय ॥ ३७ ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ उरुय ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 याम्यायकव ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ उरुय ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 इहामसक ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ उरुय ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ३९ ॥ मलययी ॥ ० ॥ उरुय ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लाम्यायवी ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥

जालीधनयी ॥ ० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥
 नमयादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वगुणशुभमष्टायादकी ॥ नमया ॥ वायुय ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥
 दितिय ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ नमया ॥ वायुय ॥ नवगुणशुभमष्टायादकी ॥ यत्किम ॥ ३६ ॥
 दवीषायादकी ॥ ३ ॥ सर्वविद्यावलीमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥ सर्ववध्यकनीमयादवी
 यादकी ॥ ३ ॥ सर्वमादनकनीमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥ सर्वमहोक्तमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥
 शायादकी ॥ ३ ॥ सर्वकवनीमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥ सर्वविजुमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥
 सर्वगिरिवलीमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥ सर्वयानिमयादवीषायादकी ॥ ३ ॥

15
10
निचउरुया। शुक्र शुक्रवनाश्रकानमामितियनसंदमि॥ तँ कौ सौ तियनश्वनीदः
विद्यायादकी॥ चक्रनायिकमयसंयुक्त॥ ३ दौ सर्वविद्यावनामडादुहायामिन
म॥ उगमुकयागिन्यदितियसर्वसियमियनकचक्रयाउगदमुकमलयुजावि
वि॥ अरुदलयमयउयतु॥ वाहदलयमायनम॥ तँ कौ दौ के रं गं धं कं अनीगद
शुमादविद्यायादकी॥ यन्त्रिम॥ ३ चं कं उं जं कुं अनीगामयलादविद्यायादकी॥ उ
रुय॥ ३ ठं ० तँ कं अनीगमयनादविद्यायादकी॥ यद्वे॥ ३ तँ धं दं धं नं अनीगम
नाउजादविद्यायादकी॥ दक्षिण॥ ३ यं हं दं रं मं अनीगमयरादविद्यायादकी॥
यय॥ ३ यं नं लं दं अनीगमयिनीदविद्यायादकी॥ अमय॥ ३ यं मं दं

5
कणदविद्यायादकी॥ नेमय॥ ३ लं कं अनीगमालिनीदविद्यायादकी॥
नचक्रवक्रनायिकाध्यानमन॥ यासरुयउजाकामदकधनिवयुदा। च
देनिष्ठाश्रकानियूनसंदमि॥ तँ कौ कौ ४ तियनसुचनीदविद्यायादकी॥ म
संयुक्त॥ ३ दौ सर्वकयनामडादुहायामिनम॥ उगमुकानयनमिनि
योसंकारुकायचक्रयुजाविधि॥ अथचउदगानदिकानयउयउयय
गानयकायनम॥ ३ सर्वसंकारिनादविद्यायादकी॥ ३ सर्वविद्यावनादविद्या
यादकी॥ ३ सर्वद्विदविद्यायादकी॥ ३ सर्वसंभारुनीदविद्यायादकी॥
सर्वसमनादविद्यायादकी॥ ३ सर्वउमनादविद्यायादकी॥ ३ सर्ववश

कनीदवीद्यायादकी ॥ सर्वनीदवीद्यायादकी ॥ सर्वस्मादनीदवीद्याया
 दकी ॥ सर्वार्थसाधनीदवीद्यायादकी ॥ सर्वसम्यक्सि यनवीद्यायादकी
 ॥ सर्वचक्रमयीदवीद्यायादकी ॥ सर्वद्वयकयनीदवीद्यायादकी ॥ यन्त्रिणादि
 काऽन्नेमणीनवाभावर्णेनसंयुज ॥ अस्मिन्नचक्रनकनायिका आनन्द
 ॥ वृन्दीयनदयंदासोतथायाथाकृष्णद्वयंरदधानैहयिताहासा
 नवासिनी ॥ हंकीक्रीडाणाति यनवाणिज्यकलाया ॥ मयानन्द
 क्रीक्री सर्वव्याकुलनामदायर्णयामिनमशांतासम्यगाराधयिष्ये
 सर्वसाहाय्यदायकचक्रयुजाविधिषा ॥ यथाकदम्ब

यत् ॥ दशमचक्रानमस्तु ॥ सर्वमिदं दयादवीद्याया
 वीद्यायादकी ॥ सर्वयुगीनीदवीद्यायादकी ॥ सर्वमंगलकारि
 दकी ॥ सर्वकामयदादवीद्यायादकी ॥ सर्वदृष्टविमाननवीद्याया
 ॥ सर्वमण्यविनाशिनीदवीद्यायादकी ॥ सर्वविधिदिनामनीदवीद्याया
 ॥ सर्वोक्तसूत्रविदवीद्यायादकी ॥ सर्वसाहाय्यदायनीदवीद्याया
 ॥ यन्त्रिणादिकाऽन्नेमणीनवाभावर्णेनसंयुजयत् ॥ अस्मिन्नचक्रनायिका
 आनन्द ॥ यद्मदंयुवनालीतिमारुमानउजीयजा ॥ शुक्रायामनायका
 श्रयणाति यनाथ ॥ हंकीक्रीडाणाति यनवाणिज्यकलाया ॥ मयानन्द
 क्रीक्री सर्वव्याकुलनामदायर्णयामिनमशांतासम्यगाराधयिष्ये

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25



न्यायनकविमहादश्यामिनमः॥८॥ ४कलकोलाथा वि
 सायकयकुयजाविधि॥ अथ अस्तु नदध्वज ठिकानवकुयजा विधिः
 ननकायनमः॥ नंदीं धौ सर्वजनदयी ध्यायादकी ॥ १ सर्वेश्वर मय मय
 दकी ॥ २ सर्वेश्वर्ययुदायनीदवी ध्यायादकी ॥ ३ सर्वेश्वर मय मय मय मय
 २ सर्वेश्वर विविनासिनीदवी ध्यायादका ॥ ३ सर्वेश्वर मय मय मय मय मय मय
 ३ सर्वेश्वर्ययुदायनीदवी ध्यायादकी ॥ ३ सर्वेश्वर मय मय मय मय मय मय
 मय
 का लोचनमयानवा मा वल नर्म यज ॥ अस्मिन्कुचकु नायिका अ नर्म न ॥

ध्यायिष्यामीति गार्ज मातुर्लंगीव विहर्त ॥ नीलय अग्नि न गीवद्यय प्रियमा
 नीच ॥ दौं दौं दौं ४ ध्यायिष्यामीति नीदवी ध्यायादकी ॥ मय मय मय मय मय मय
 मातुर्लंगीव विहर्त मातुर्लंगीव विहर्त मातुर्लंगीव विहर्त मातुर्लंगीव विहर्त
 कुयविधि ॥ अथ अस्तु नदध्वज ठिकानवकुयजा विधिः ॥ अथ का मय कायनमः ॥ यजि
 यकन यजि मादिका लोचनमयानवा मा वल नर्म यज ॥ अस्मिन्कुचकु नायिका अ नर्म न
 न ॥ सुवर्णवर्ण युग मातुर्लंगीव विहर्त मातुर्लंगीव विहर्त मातुर्लंगीव विहर्त
 गहये ॥ दौं दौं दौं प्रियमा सिद्धायादकी ॥ मय मय मय मय मय मय मय मय मय मय
 चनीमहादश्यामिनमः॥ ८॥ ४कलकोलाथा वि

उत्तमदक्षिणका... ॥ १ ॥ नित्यवीरन... ॥ २ ॥
यकुचकुनायिका... ॥ ३ ॥ व... ॥ ४ ॥
कुणवनाली... ॥ ५ ॥ विद्यामनु... ॥ ६ ॥
वि॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

सम्भनयनी... ॥ १ ॥ उत्तमदक्षिणका... ॥ २ ॥
नवययन... ॥ ३ ॥ व... ॥ ४ ॥
सर्वविद्या... ॥ ५ ॥ सर्वविद्या... ॥ ६ ॥
द्विधनी... ॥ ७ ॥ द्विधनी... ॥ ८ ॥
यथा... ॥ ९ ॥ यथा... ॥ १० ॥
सुयय... ॥ ११ ॥ सुयय... ॥ १२ ॥
गणनीय... ॥ १३ ॥ गणनीय... ॥ १४ ॥
गणन... ॥ १५ ॥ गणन... ॥ १६ ॥

ॐ ह्यदोदियुः सुनसंयुक्त ॥ अवाक ॥ ॐ सर्वथा निमदाद होय ॥
 उर्य नमनु ॥ ॐ दौं दौं दौं दौं स ॐ यो नो लो वा सो कामध्वनी निच ॥
 ॐ सर्वार्थ साधक सर्वतलवर्णक निउता नन कारु का ॥
 ॥ दिय ना कामध्वनी समयादवी धीयादु की यउ या मि न ॥
 य नमनु ॥ ॐ दौं दौं दौं दौं ॐ दौं दौं दौं दौं ॐ यो नो लो वा सो सर्वार्थ साध
 नी वकु ध्वनी वदय उलम ॥ ध्वनी कां की ॐ दौं दौं नि य मा द व दौं दौं
 वकु ध्वनी समयादवी धीयादु की ॥ दौं दौं ॐ दिय ना वकु ध्वनी यउ या मि न
 यो या मि ॥ वकु ध्वनी नय नमनु ॥ ॐ दौं दौं रुग गुरु गि निरु गद निरु ग

यह रुग मालि रुग या मि निय न नि सर्व तल रु ग ध्वनी ॐ दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं
 सर्व निरु ग निमव धा मा नय दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं दौं
 की गयो या मि ॥ रुग मालि नि नय नमनु ॥ ॐ दौं दौं रुग व नि दौं नि य का म ध्व
 नी सी सी सर्व तल व सी क नि स ॥ दिय न रु वी ॐ वी उ की धा म रु दिय न स च नी
 नय नमनु ॥ न ता नि न रु स या मि न द धा म व क स वी न च म य व क य उा वि वि ॥
 त ता व लि यु दान ॥ अवाक मू डान व क य द हो य ॥ व दी य ॥ नै व य ॥ उा य ॥
 रु ति धा ति य न स च नी क मी वु न व क य उा वि वि ॥ ॥ त ता वि धा कि द व री न
 अ ध्वनी क लो दि न क य द्या म्ना य न म ॥

कृष्णगिलावन कया लवनदारु यत्र क म ह न र व म न न कं म कौ श्र
क काम गि गाल य मिठी सु ना धा नि क का म न वि द यारु अ न न
ग्या दू की यू ज या मि ॥ तिर्यंज लि श ॥ ह द या दि ॥ त्रि य ना द वि द ह
ध्वनी धी न्ना मू किय या द या ह ॥ व ली ॥ थ न का गू व ध्वनी यू ज ॥ अ न न
दि ॥ न क य द्वा म्ना य न म ॥ अ न ॥ ध य क वि म्ना यु ती का र्ण जा य यू का अ य वि ना
या र्ण कृष्ण व र्ण द वी मा पु लं हा न (थे व व ॥ त्रि यंज लि श ॥ मूल म नु ॥ क्मी म
अ व क जा रं धु यी १०३ गि ण ना धा मि क क षा य ड ध्वनी द वि वि क्का म्दी हा
कि ण या दू की ॥ ह द या दि ॥ त्रि य ना द वि द ह काम ध्व नि वि म हि अ न

न ४ कि न्न यु या द या न ॥ अ वा कू मू डा ॥ व लि ॥ थ न का म ध्व नि यू ज ॥ ॥ अ न न
क ल्या दि ॥ न क य द्वा म्ना य न म ॥ अ न ॥ च पु रू जी ति न गु व व द का ठि ह म
य मी ॥ य म्का कू ध र्ण द वि या र्ण कृष्ण क या अ ती ॥ त्रि यंज लि श ॥ मूल म त न
मी साम च क य लू गि यी ग द व णा य वि सु ना धा न्म क रू ग मालि नी द ॥ अ न
दु क्का न ण कि ण या दू की ॥ ह द या दि ॥ ग य गु ॥ त्रि य ना द वि वि द ह का र्ण
वि धी म हि न न्न द म त गि यु या द या न ॥ अ वा कू मू डा ॥ व लि ॥ थ न रु ग मालि ना
आ वि धि ॥ त ना मूल मू च वि द वा र्ज न ॥ ध म्मो दि ६ अ न न क य या दि ॥ अ
स ह सु द ल न क य द्वा म्ना य न म ॥ य व यु म म्ना दि ॥ य गु स या दि ॥ अ न न

15

10

5

निवर्तन निवृत्तवना समुत्तं ॥ तातुष्टात संकाशं कानि गान्ता ॥
 लाहिन्यतिग सिंदूर उवादा विमना गिनी ॥ न कद सुयनी धनी ॥
 कना अनी ॥ न क य स्य नियच्छं पुन कारु न धम सिती ॥ य उरुता ॥
 ययवानधन देगी ॥ कय्येन सकला मिष्टा तीवली यनिताने ॥ महासम
 या हुम कूक माय विगृहा ॥ सर्वेष्टा नव वष्टा श्री सर्वो लंकानरु धिती ॥
 उवादा दूद उनी उवा दुं उन का विष्ठा ॥ उवादा कयेयी कानि सर्वेष्टा
 ग्य सुन्दरी ॥ सर्वेष्टा मयि निर्यय न मान च नीदिती ॥ महा प्रियु न सुडी
 दुस्त्व वा रुन न मया ॥ विद्यया वा ॥ अष्टु रु (ग) न म स्त्र गी नी य क या ॥

यदो कया साधक उा मरु नि यन सुन्दरी ॥ वकु म्भ पुर्म विष्टा तय जा समानरु ॥
 मियी उ लिश ॥ कु ॥ वकु यकु डा प्रिया नयी ॥ १० ॥ वग्य ना थ म क शा म हा प्रियु *
 न सुन्द निद ॥ वी य न व का त्म ग कि षा या दू की यू उ या मि ॥ दद या दि ॥ ३३
 प्रियु ना दयी वि ॥ मरु कू का मि नि ष वि धा मरु सो री ना कि न यु था द या रु ॥
 जा वा अ प्रि र्वि ग ॥ ॥ याल मूलन ॥ थु त सु च नि यु जा ॥ ॥ ग ता रु न वी द ॥
 थिया दू की ॥ ग ॥ ता व लि यु जा ॥ उं कू सो ॥ द वी य पु य द क ना थ क यि ल उ
 दा रा न रा स्य न ला ली मूर गी ध य स्या क ज्ज लि यि त व व लि ग ॥ २ ॥ सर्वे विद्या ना
 गाय श्रु रु द स्या स्त्र ॥ नै डी णं क्री णा ड डे व स्या धु वा वा दि डा ग न त ल रु त रु

15

10

5

निमलवायागलवानलवासलिलयवनयायउरुदजिनाया ॥ कुरु ॥
 दिव्ययनकृतयदाधयदीयादिदाने ॥ यीनदेयमदानरुधुरुवलि ॥
 उविचयुवया ॥ यागिनाया न स्याहा ॥ ३ कौ कौ कौ कौ कौ ॥ ४ कुरु ॥
 लिवलिसद्विगवलिगुरु ॥ सर्वे विद्यानालय ॥ २ दुरुट स्याहा ॥ धृय ॥ दाय ॥
 धय ॥ जाय ॥ साग ॥ कामरु द्रास्ति नंदवी कामयुयीमादिनी ॥ सुदु ॥
 अयवी कामध्वनी नमामुत ॥ सुयवकुस्ति नंदवीयी ॥ अलाधननथा ॥
 विदुषाकिमद्वी ॥ उकुध्वनी नमामुत ॥ सोमयकुस्ति नंदवीयुलीयी ॥ म
 नाद्वी ॥ युक्ताकिमद्वी ॥ रु ॥ अध्वनी नमामुत ॥ सुदु ॥ ध्वये ॥ नासन

सुदधती मध्वललाटयरा ॥ १ ॥ कौ कौ निमनू ॥ ४ ॥ विवविनम्यात्त्यदीस
 र्वे ॥ १ ॥ नयासी विपुनीददिदि निविवाया ॥ १ ॥ सुदाहस्तिताकिआद ॥ ४ ॥ सहसा
 यद ॥ किस्तिनयआतिमेयीवाग्मयी ॥ अयादि ॥ यधुतय्य ॥ १ ॥ दवनिर्वेचना
 दि ॥ १ ॥ दवसुग्वनविय ॥ १ ॥ धिधुनंदयात ॥ १ ॥ आनधिकन ॥ १ ॥ दूककिविय ॥ १ ॥ आ
 य ॥ १ ॥ योयुआ ॥ १ ॥ दकिष्मदि ॥ १ ॥ यऊमानअहिमय ॥ १ ॥ वृतिधाठियुवमन्दजीव
 मोवनविविममाय ॥ १ ॥ ॥ विजलकनू ॥ १ ॥ आगमसयुआयाययदनीथुत
 १ ॥ यवैयोनम ॥ १ ॥ नंद स्यावशासन ॥ सुदधती मध्वललाटयरा ॥ १ ॥ कौ कौ निमनू ॥ ४ ॥ विवविनम्यात्त्यदीस
 र्वे ॥ १ ॥ नयासी विपुनीददिदि निविवाया ॥ १ ॥ सुदाहस्तिताकिआद ॥ ४ ॥ सहसा

15

10

5

अति मेयीवा ॥ यामागुयि यी ल गान ल म रु रु कि । नि नि ह्युद नी वा म्मा अ यथ म ह्मि ना न व म दा ल
 न म ह न व य ४ ॥ कि ४ कृ ग लि नी नि वि ध्य ऊ न नी यो य न व द्वा य मा स्ते नू न य न स्य ण नि ऊ न नी य र ४
 ली न ना ४ ॥ द्वा स म्म क नि व मु म रु मा जे न वू पि या ह न ४ य ना कृ ठ व ४ य दी न द द नि न्द मि न द
 क र्म ॥ त स्या वि ध्व म व दा य न न मा या न व नू ह वा य ४ रु कि स्म अ न ण द व स नि ज्ञा न व द्वा द
 या न ॥ यी नि ह्य ग व का म ना ऊ म य र्म म्ना क र्म नि क ल न त्म न ध्व न मि न य नि नि न ल ४ का ष्वि द्
 य ४ ध्व द्वा वि । अ क्क न म्म नि य द स ह्य ग य मा य की हि य ना द्वि ज्ञा ४ यान म्म य न वा स्य य द
 यि ना नि ह्यो व र्म नि स्मृ ४ ॥ य त्म अ व च मा म्म वृ कि क न न द क यु हा व म्म वे सा ली य न
 य ह न मा मि म न मा य द्वा ऊ मि न्द य रु ४ ॥ ह्म द्वा यि स न म्म नी म नू ग ना ज्ञा म्म वि वि म्म

य ४ ४ म म्म यो मि वि व र्म न्म नि य र्म आ ग मि ना सि दि द्वा ॥ उ क्क कृ व वि वी ज म न दी स य ना य
 अ न व ४ न कृ ठ र्म ऊ वि वा य थ क म ग र्म य द्वा मि र्म य क मा ग य र्म य काम म य द्वा य
 न वि धि ना यि वा वि नि ग य अ य वा म्म ली क ना नि न मा र्म र्म म्म र्म न ना ४ ॥ य म य म्म क
 य नि ना म रु य द्वा ४ कृ ठ अ नू द क न रु क र्म व न दान य म ल कृ य्म न कृ (अ द्वा ल ॥ उ
 कृ म्म म्म द्वा य क नि न य मि ग य य र्म ला कि नी य य म्म म्म न र्म ल य नि
 म न मा र्म का र्म क वि र्म कृ ४ ॥ य र्म य लु न य र्म ना क य ठ ल य क हि ना म य रु
 मि अ न म म्म न द र्म वि व नि आ य नि म्म दि मि ना ४ ॥ अ ४ र्म र्म वि कृ ठ म्म द्वा क न य द
 नि र्म यि व का म्म आ र्म र्म र्म नि र्म य नी म्म न ग नि कृ ल ल ला मि व र्म ॥ य मि न्द न य र्म

15

10

5

यश्चिदिहिलालुतासामिमाम्ब्रीश्चिविष्णुनयावकनस्यसायमग्रामिय १ यश्च
 निकुलमयनन्यमसम्भामनभद्रयकानासुतायनभद्रकद (१५७) यश्चरुयनिकुव ॥
 यकश्चलाश्चनकुलुलीगदयनामावदकाश्चिष्टुतायलार्थगमनकनमदिश्चय
 निकुलामिनागनयाम्भसुविरुमायरुनहसनीरुवनिष्ठियमायनकुश्चनकर्णग
 लनपक्षेनाभ्यसुतानष्ठियभाष्णरुआगिखलुमष्ठिगतातमभुष्टुतायव्यक
 युष्टावापूष्णभययधनायगामनाश्चसिनी। यश्चयनियठुरुतागिनयना
 मायीनठुरुसनीम (१५८) निमवलितुयाकिगतननदुयश्चनयनायागयल्यय
 पिच्छयकिगिरुतासामान्यमातुकलनिष्मयावनियकुवहियदविलयागायान

तश्चयद्विद्याधनवद्विदयय ४ शावकुनजाययद्विषित्वयजनाम्भुता
 यननिर्यमायम्यसादायय ४ ॥ यत्तिल्वयजनाम्भुतायनवि (१५९) विल्यादला
 लुष्णनखदुकठककाठिरियनिययथयानउभमसनाभातदलुकुगयकवा
 यकनिष्ठावकुमकादिनआयनयथिवीरुता ४ कथमिमाम्भुतायुता ४ यान
 रि ॥ वियुकागिरुताविस्तुदियकीयाअमभसवसायवीनियययनायनकला
 सनययावि (१६०) यीयीयाथयतमनमिन्वियानयाननभ्रवगानादि
 मयययनिकनयसायिद्यायविधीकना ॥ गद्यानाश्चनित्यमनरुवनवाभमसुतम
 लु ४ कथाययामययुरुगयाययुरुवनिष्ठुय १ लीयनकरवलयगयान

लामहदयी ॥ यथा नार्थयदायनी ॥ चहुषः दीयाभि न्या आवल्लयनमने
नी ॥ ॥ शारुनंदनाय ॥ ॥ सुन्दरी ॥ ॥

[illegible][illegible]

यद्यपि भस्माय नमः॥ इति द्वयनमः॥ इति मातृवासाय नमः॥ इति
नवग्रहकामाधिकलक्षणलिखितं नायका॥ आय॥ मा॥ य॥
य॥ इति नवग्रहयुगाधिकलक्षणलिखितं नायका॥

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25



15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25



15

10

5

0

cmts.

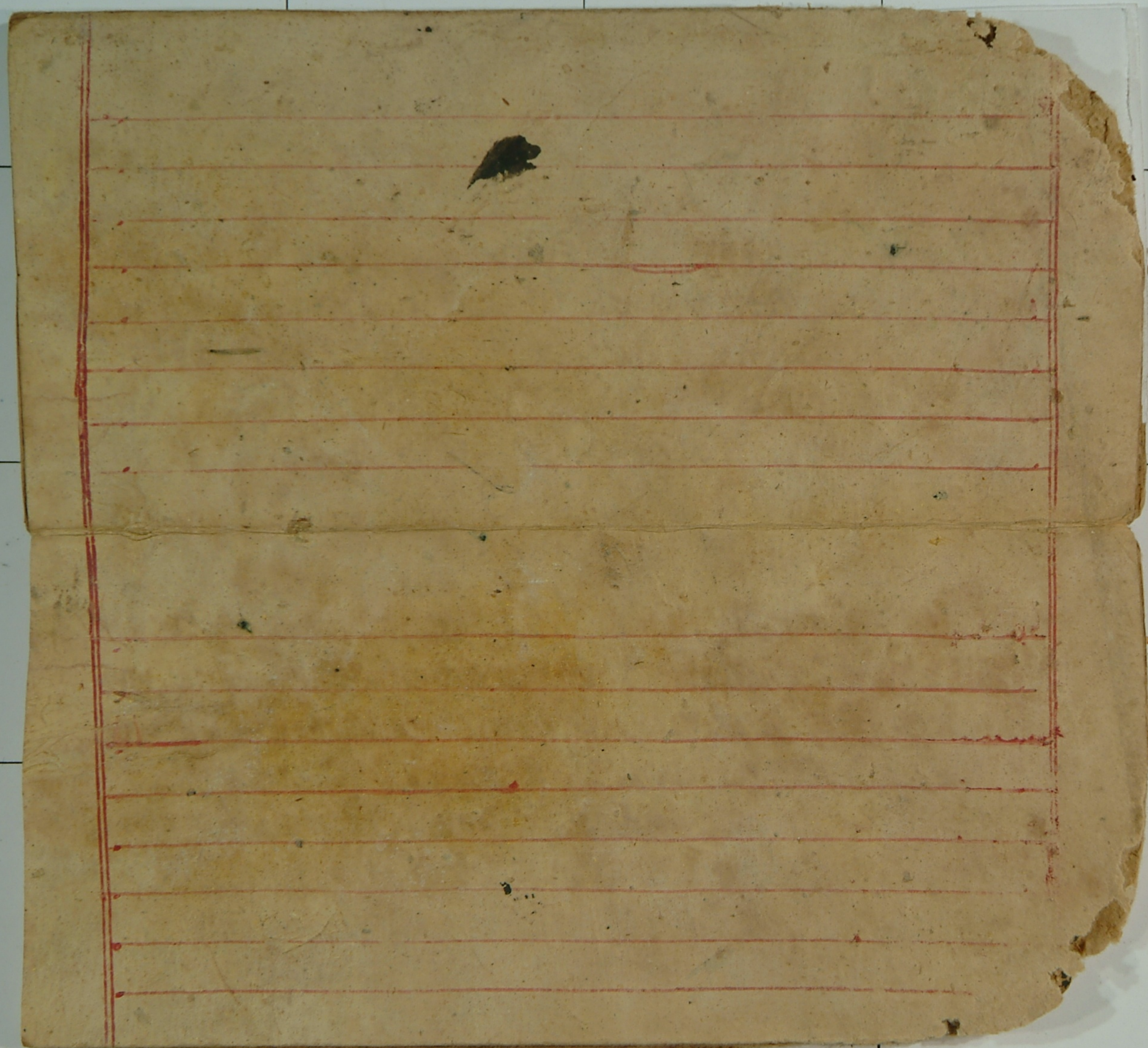
5

10

15

20

25



15

10

5

0 cmts. 5 10 15 20 25

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a red dot. The script is a mix of standard Devanagari characters and some specialized symbols, possibly representing a specific dialect or a form of shorthand. The text is arranged in a single column, with some lines being longer than others.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the manuscript. This section also consists of approximately 10 lines of text, written in black ink on aged paper. The script is consistent with the top section, featuring a mix of standard Devanagari characters and specialized symbols. The text is arranged in a single column, with some lines being longer than others. The paper shows signs of wear and aging, with some discoloration and small holes visible.

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

Handwritten text in a script, likely Indic, on the top leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The paper is aged and shows some staining and wear at the edges.

Handwritten text in a script, likely Indic, on the bottom leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The paper is aged and shows some staining and wear at the edges.

15

10

5

0 cmts. 5 10 15 20 25

Handwritten text in an ancient script, likely Tamil, on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the upper portion of the leaf. The script is dark and well-defined against the light-colored, aged leaf. The leaf shows signs of wear, including a small tear on the left edge and some discoloration. The text appears to be a continuous passage, possibly a religious or philosophical treatise, given the nature of such manuscripts. The lines are roughly: 1. A short line at the top, possibly a title or a specific invocation. 2-10. Main body of text, each line containing several characters and some internal punctuation or spacing marks.

Handwritten text in a script, likely Indic, on a piece of aged, stained paper. The text is written in black ink and appears to be a single line or a short phrase.

Handwritten text in a script, likely Indic, on a piece of aged, stained paper. The text is written in red ink and appears to be a single line or a short phrase.

Handwritten text in a script, likely Indic, on a piece of aged, stained paper. The text is written in black ink and appears to be a single line or a short phrase.